B.A- Sem-V

समाजशास्त्र और मनोविज्ञान दोनों ही मानव व्यवहार का अध्ययन करने वाले विज्ञान है. इसलिए इनमें a गहरा और पूरक संबंध है।

समाजशास्त्र और मनोविज्ञान का परिचय

- समाजशास्त्र: यह पूरे समाज, सामाजिक समूहों, संस्थाओं और संरचनाओं का अध्ययन करता है।
- मनोविज्ञान: यह किसी व्यक्ति के मन, भावनाओं आंतरिक भावनाओं और व्यक्तिगत व्यवहार का अध्ययन करता है।

दोनों के बीच संबंध

- पूरक संबंध - के अनुसार, दोनों विषयों का संबंध विरोध का नहीं बल्कि गहन पूरकता का है।
- मानव व्यवहार- दोनों का मुख्य साझा विषय मानव व्यवहार है. समाज व्यक्ति के व्यवहार को आकार देता है और व्यक्ति समाज को प्रभावित करते हैं.
- सामाजिक मनोविज्ञान इन दोनों विषयों का मिलन बिंदु 'सामाजिक मनोविज्ञान' है जो सामूहिक और व्यक्तिगत मन दोनों का अध्ययन करता है।

B.A-Sem-IV

क्या मनोविज्ञान के अन्तर्गत प्राणी की मानसिक स्थितियों का अध्ययन किया जाता है। प्रेम, सद्भाव, ईर्ष्या, द्वेष, कल्पनाएँ आदि मानसिक तत्व ही है। जबकि मनोविज्ञान व्यक्ति के मन, व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है दोनों विषय-एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए है।

समाजशास्त्र समूह, संस्था और समाज का अध्ययन करता है।

मनोविज्ञान समूह, ~~संस्था और~~ व्यक्ति के व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।

व्यक्ति समाज का ही हिस्सा है, इसलिए दोनों का संबंध स्वभाविक है।

2. व्यवहार की समझ

सामाजिक व्यवहार को समझने के लिए व्यक्ति की मानसिक स्थिति जानना आवश्यक है।

मनोविज्ञान व्यक्ति के विचार, भावना और प्रेरणा को समझाता है, जिससे समाजशास्त्र को सामाजिक घटनाओं की व्याख्या करने में सहायता मिलती है।